परिवार सहित जमानत पर रहने वाले लोगों को ही मैं भी चौकीदार अभियान से परेशानी : भाजपा

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा सहित विपक्षी दलों द्वारा मैं भी चौकीदार हूं अभियान की आलोचना किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जो लोग पूरे परिवार के साथ जमानत पर हैं और विभिन्न कानूनी कार्वाई का सामना कर रहे हैं, उन्हें ही इस आंदोलन से परेशानी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं के समक्ष दावा किया कि मैं भी चौकीदार हूं आंदोलन एक बड़ा जन आंदोलन बन गया है। जब यह सोशल मीडिया पर चला तो पूरे दिन ग्लोबल ट्रेंड बना था।

20 लाख लोगों ने इसका ट्वीट किया। इसे सोशल मीडिया और नमो ऐप पर। करोड़ लोगों ने प्ले किया। प्रसाद ने आरोप लगाया, जो लोग पूरे परिवार के साथ जमानत पर हैं, जो विभिन्न कानूनी

कार्वाई का सामना कर रहे हैं, उन्हें मैं भी चौकीदार हूं आंदोलन से परेशानी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि चौकीदार अमीरों के लिए होता है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने गरीबों के करीब 12 लाख करोड़ रुपये लूटे, वही लोग मैं भी चौकीदार हूं पर टिप्पणी कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि 31 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मैं भी चौकीदार अभियान से जुड़ने वाले लोगों से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत वे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये 500 स्थानों पर लोगों से जुड़ेंगे। गौरतलब है कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी की मर्जी है कि वह अपने नाम के आगे क्या लगाते हैं। उन्होंने एक किसान का हवाला देते हुए हुए मोदी को अमीरों का चौकीदार बताया है। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी प्रयास करते रहें लेकिन इससे सच्चाई को नहीं दबाया जा सकता है कि हर कोई यह कह रहा है कि चौकीदार चोर है। मोदी समर्थक नारे लगाने पर बेंगलूरू में कुछ इंजीनियरों को कथित तौर पर गिरफ्तार करने के संदर्भ में प्रसाद ने कहा कि कल बेंगलुरु में स्टार्ट अप से जुड़े एक कार्यक्रम में जब कुछ लोगों ने राहुल गांधी जी से कुछ सवाल किए और नरेन्द्र मोदी के समर्थन में बातें कहीं, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। प्रसाद ने कहा, राहुल गांधी बोलने की आजादी पर हमें नसीहत देने के बजाए खुद सीखें।

बहुतेरे हैं राज्य में हैट्रिक बनाने वाले संसदीय चुनावों में

अनिल एस साक्षी

जम्मू। वर्ष2004में पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले ऐसे युवा नेकांई बने थे जिन्होंने संसदीय चुनाव में हैटट्रिक बनाई थी। अब्दुल्ला खानदान के वे पहले सदस्य भी थे हैट ट्रिक बनाने वाले। हालांकि उनकी दादी अगर दो बार संसदीय चुनाव जीत पाई थी तो अब्बू डा फारूक अब्दुल्ला ने एक चुनाव जीता था। वैसे उमर अब्दुल्ला अकेले ऐसे नेता नहीं हैं जिन्होंने जम्मू कश्मीर में हैटट्रिक बनाई हो बल्कि6अन्य नेता भी संसदीय चुनावों में हैटट्रिक बना चुके हैं।

उमर अब्दुल्ला ने पहला संसदीय चुनाव1998में लड़ा था। उन्होंने श्रीनगर की खानदानी सीट से किस्मत आजमाई थी। फिर जब1999के चुनाव में पुनः इसी संसदीय क्षेत्र से मैदान में उतरे थे तो यही कहा जाने लगा था कि वे शायद ही जीत पाएं। कारण स्पष्ट था कि श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के प्रति यही कहा जाता रहा है कि उसने कभी किसी सांसद को दूसरी बार संसद में नहीं भिजवाया था। यही कारण था कि श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से1977में उमर की दादी अकबर जहान बेगम ने चुनाव लड़ने के बाद अगला चुनाव अनंतनाग से लड़ा था।

मगर उमर अब्दुल्ला ने इस मिथ्य को तोड़ डाला। वर्ष2004में न सिर्फ वे श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार चुनाव जीते बल्कि वे पहले युवा नेकांई भी बने जिन्होंने इतनी कम उम्र में ही संसदीय चुनाव में हैटट्रिक बनाई थी। हालांकि इससे पहले नेकां के ही सैफुद्दीन सोज बारामुल्ला से हैटट्रिक तो बना चुके हैं लेकिन नियमित चुनावों में नहीं बल्कि1984और1989में विजय पाने वाले सोज को1996के चुनाव में लड़ने का मौका ही नहीं मिला था। इतना जरूर है कि उमर अब्दुल्ला,अब्दुल्ला परिवार के प्रथम ऐसे सदस्य भी बने थे जिन्होंने हैटट्रिक बनाई थी। इससे पहले डा फारूक अब्दुल्ला श्रीनगर से एक बार1980तथा2009के चुनाव में जीते थे तो उनकी अम्मी अकबर जहान बेगम दो बार चुनाव जीत चुकी हैं। तकनीकी तौर पर देखा जाए तो डा फारूक अब्दुल्ला भी श्रीनगर संसदीय सीट से हैट ट्रिक बनाने में तब कामयाब हुअए थे जब उन्होंने2017में उप चुनाव को जीता था।

रिकार्ड पर एक नजर दौड़ाई जाए तो उमर अब्दुल्ला अगर जम्मू कश्मीर के सबसे कम उम्र के सांसद थे जिन्होंने हैटट्रिक बनाई थी तो वे अब्दुल्ला परिवार के पहले सदस्य भी थे। लेकिन इतना जरूर है कि उनके पहले पांच अन्य राजनीतिज्ञ भी हैटट्रिक का रिकार्ड बना चुके हैं जम्मू कश्मीर में। इन पांच नेताओं में डा कर्ण सिंह,चमन लाल गुप्ता,मुहम्मद शफी कुरैशी,सैफुद्दीन सोज तथा पी नामग्याल भी शामिल हैं।बकौल आधिकारिक रिकार्ड के,उधमपुर संसदीय क्षेत्र ने जहां दो राजनीतिज्ञों को हैटट्रिक बनाने का अवसर प्रदान किया वहीं जम्मू संसदीय क्षेत्र ने ऐसा मौका आज तक किसी को नहीं दिया है। जबकि बारामुल्ला,श्रीनगर,लद्दाख तथा अनंतनाग से एक-एक राजनीतिज्ञ ऐसा रिकार्ड बना चुका है।

उधमपुर संसदीय क्षेत्र ने डा कर्ण सिंह और चमन लाल गुप्ता को यह अवसर प्रदान किया। लद्दाख से पी नामग्याल,अनंतनाग से मुहम्मद शफी कुरैशी,बारामुल्ला से सैफुद्दीन सोज तथा श्रीनगर से उमर अब्दुल्ला हैटट्रिक बनाने में कामयाब रहे हैं। इतना जरूर है कि इनमें से डा कर्ण सिंह,चमन लाल गुप्ता,मुहम्मद शफी कुरैशी तथा उमर अब्दुल्ला ने ही लगातार हुए तीन चुनावों में जीत हासिल करते हुए हैटट्रिकें बनाई हैं तो सैफुद्दीन सोज तथा पी नामग्याल लगातार ऐसी जीत हासिल नहीं कर पाए।

कांग्रेस ने बीजेपी को दिया बड़ा झटका, महेंद्रनाथ पांडेय की बहू थामने जा रही प्रियंका का हाथ

नई दिल्ली, (वीअ)। उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी वाड्रा के कदम रखने के बाद लगातार विपक्षी दलों के नेताओं का कांग्रेस का दामन थामने का सिलसिला जारी है। लोकसभा चुनाव के बीच उत्तर प्रदेश में बीजेपी को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। कांग्रेस बीजेपी के घर में बड़ा सेंध लगाने में कामयाब होती नजर आ रही है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्रनाथ पांडेय की बहू अमृता पांडेय ने प्रियंका गांधी की मौजूदगी में बुधवार को कांग्रेस का हाथ थामने का फैसला किया है। अमृता महेंद्रनाथ पांडेय के भाई जितेंद्रनाथ पांडेय की पुत्रवधू हैं।

प्रियंका गांधी इन दिनों पूर्वांचल के दौरे पर हैं। उन्होंने प्रयागराज से सोमवार को अपनी वाराणसी यात्रा की शुरुआत की है। प्रियंका गांधी गंगा में बोट पर सवार होकर बुधवार को काशी पहुंचेंगी। ऐसे में इस यात्रा के जरिए प्रियंका गांधी राजनीतिक समीकरण साधने की कवायद कर रही हैं। तो वहीं, बीजेपी के घर में प्रियंका गांधी बड़ी सेंधमारी करने में कामयाब होती दिख रही हैं। उत्तर प्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष महेंद्रनाथ पांडेय के भाई जितेंद्रनाथ पांडेय के बेटे वरुण की पत्नी अमृता पांडेय ने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला लिया है। इस कड़ी में मंगलवार को प्रियंका गांधी से मिर्जापुर के चुनार में मुलाकात करेंगी। शाम पांच बजे उनकी मीटिंग फिक्स है।कांग्रेस ज्वाइन करने के फैसले पर अमृता पांडेय ने कहा कि गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी से पुराना जुड़ाव रहा है। ऐसे में अब प्रियंका गांधी जब राजनीतिक में आ गई हैं तो हमने भी कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि आने वाला दौर नरेंद्र मोदी का नहीं बल्कि कांग्रेस का है। नरेंद्र मोदी अगला चुनाव लड़ेंगे भी कि नहीं ये तय नहीं है। लिहाजा, आगे का राजनीतिक भविष्य कांग्रेस का है। इसीलिए हमने कांग्रेस के साथ जाने का कदम उठाया है। दरअसल, अमृता पांडेय का ससुराल भले ही बीजेपी की राजनीतिक विचाराधार से जुड़ा हो, लेकिन उनका मायका कांग्रेसी रहा है।

2014 में भाजपा की सरकार बनी, अगली सरकार एनडीए की होगी : संजय राउत

मुंबई, (भाषा)। शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि 2014 में बनी सरकार भाजपा की थी जबकि अगली सरकार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की होगी।

बीबीसी न्यूज मराठी द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सदस्य ने कहा कि उन्होंने 2014 के राजनीतिक हालात में बदलाव का पूर्वानुमान व्यक्त किया था और अब 2019 के राजनीतिक हालात का पूर्वानुमान जाहिर कर रहे हैं। राउत ने कहा कि भाजपा को आगामी लोकसभा चुनावों में करीब 210 सीटें मिल सकती हैं। इस बार लोकसभा चुनाव सात चरणों में संपन्न होंगे। पहले चरण का मतदान 11 अप्रैल जबकि अंतिम चरण का मतदान 19 मई को होगा। नतीजों की घोषणा 23 मई को होगी। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए को करीब 300 सीटें मिलेंगी। भाजपा की सबसे पुरानी सहयोगी पार्टी शिवसेना के नेता राउत ने कहा कि अभी भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं दिख रहा, लेकिन यदि भाजपा को 200 से कम सीटें मिलती हैं तो अगले प्रधानमंत्री का नाम तय करने में एनडीए के घटक दलों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। साल 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को 282 सीटें मिली थीं जो 1984 के लोकसभा चुनावों के बाद किसी पार्टी को मिली सबसे ज्यादा सीटें हैं। राउत ने कहा कि करीब साढ़े तीन साल पहले मैंने कहा था कि 2014 में देश के हालात और 2019 की स्थिति के बीच बड़ा फर्क है। साल 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनी थी। साल 2019 में यह (सरकार) एनडीए की होगी। सीटों के बारे में पूछने पर राउत ने कहा कि भाजपा को करीब 210 जबकि एनडीए को 300 सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने संकेत दिए कि पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद राजनीतिक विमर्श बदल गया है। लोग केंद्र में स्थिर सरकार चाहते हैं। राउत से जब पूछा गया कि भाजपा और शिवसेना ने पिछले चार साल से चल रही जुबानी जंग को भुलाकर गठबंधन जारी रखने का फैसला क्यों किया, इस पर उन्होंने कहा, राष्ट्रहित में गठबंधन किया गया। यह पूछे जाने पर कि क्या आपको लगता है कि मोदी ने हालिया दिनों में अपना आक्रामक अंदाज छोड़ा है, इस पर उन्होंने कहा कि सभी को विनम्र रहना चाहिए।

प्रसपा और पीस पार्टी ने मिलाए हाथ

लखनऊ, (भाषा)। उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव की अगुवाई वाली प्रगतिशील समाजवादी पार्टीलोहिया (प्रसपा) और पीस पार्टी ने मंगलवार को आगामी लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने का एलान किया है।

प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव और पीस पार्टी के अध्यक्ष अयूब अंसारी ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में गठबंधन की घोषणा की।

शिवपाल ने कहा कि भाजपा को हराने के लिए वह सभी धर्मनिरपेक्ष दलों से गठबंधन करने को तैयार थे लेकिन कई पार्टियों ने निजी स्वार्थ को वरीयता दी।

उन्होंने आरोप लगाया कि आज के दौर में भाजपा हमारे लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि सपा, बसपा और कांग्रेस के निजी स्वार्थ की वजह से आज भाजपा के खिलाफ निर्णायक मोर्चा नहीं बन सका। आज जब विपक्ष को संसद से लेकर सड़क तक आम आदमी की आवाज बुलंद करने की जरूरत है, इन पार्टियों के नेता ड्राइंग रूम में बैठकर धर्मनिरपेक्ष शक्तियों के खिलाफ ही षड्यंत्र रच रही हैं। प्रदेश के पूर्व लोकनिर्माण मंत्री ने कहा कि उन्होंने पिछले लोकसभा में भी एक बड़ा गठबंधन बनाने की कोशिश की थी, लेकिन उस वक्त भी कुछ लोगों के स्वार्थ की वजह से यह संभव नहीं हो सका था। इस लोकसभा में भी प्रसपा ने सपा, बसपा से खुद को गठबंधन में शामिल करने का आग्रह किया लेकिन स्वार्थ के कारण ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा भाजपा सरकार अब तक की सबसे निकम्मी सरकार है, इस सरकार ने युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों को ठगने का काम किया है। वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियों एवं आर्थिक कुप्रबंधन के कारण देश की अर्थव्यवस्था कर्ज में कराह रही है।

...जब कांग्रेस के गढ़ रायबरेली में हारीं इंदिरा

रायबरेली, (वार्ता)। कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले उत्तर प्रदेश के रायबरेली संसदीय क्षेत्र में पार्टी को पहला झटका यहां तब लगा था जब आपातकाल से खिन्न जनता ने 1977 के चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

इस चुनाव में केवल यहीं नहीं पूरे उत्तर भारत में कांग्रेस का सफाया हो गया था और वह सत्ता से बाहर हो गयी थी हालांकि इसके ढाई वर्ष के बाद ही इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पार्टी ने सत्ता में वापसी की। आपातकाल के बाद 1977 में चुनाव हुए में इंदिरा गांधी को रायबरेली में उन्हें जनता पार्टी के उम्मीदवार राजनारायण से शिकस्त का सामना करना पडा था। लगभग ढाई साल तक सत्ता से बाहर रहने के बाद वर्ष 1980 में जब मध्यावधि चुनाव हुए, तो यह अटकले लगायी जाने लगी कि इंदिरा शायद रायबरेली से चुनाव ना लड़ें। खुद इंदिरा रायबरेली से अपनी जीत के प्रति आश्वस्त नहीं थी। इसके कई कारण थे जिनमें एक तो वहां से पिछला चुनाव हार चुकी थीं, दूसरा कि उनके खिलाफ जनता पार्टी ने जबरदस्त योजना बनायी थी। इस योजना के तहत रायबरेली से जनता पार्टी ने अपनी दमदार नेता राजमाता विजयाराजे सिंधिया को मैदान में उतारा था। धुन की पक्की कांग्रेस नेत्री ने अपनी योजना बनायी जिससे वह बगैर जोखिम लिये किसी भी कीमत पर संसद में पहुंचे। उन्होंने तय किया कि वह दो सीटों से चुनाव लड़ेंगी। एक रायबरेली और दूसरा आंध्रप्रदेश की मेडक सीट। रायबरेली की तुलना में मेडक सीट ज्यादा सुरक्षित थी। वर्ष 1977 में जब कांग्रेस को हिंदी भाषी क्षेत्रों में करारी हार झेलनी पड़ी थी, तब दक्षिण ने ही कांग्रेस को कुछ हद तक बचाया था। इसलिए उन्होंने मेडक सीट से भी चुनाव लड़ने का निर्णय लिया था। जनता पार्टी के नेता किसी भी हाल में इंदिरा गांधी को संसद में पहुंचने से रोकना चाहते थे। इसलिए जिन दो सीटों पर इंदिरा गांधी चुनाव लड़ रही थीं, उन दोनों सीटों पर जनता पार्टी ने दमदार प्रत्याशी उतारा। रायबरेली में उनके सामने राजमाता सिंधिया थीं, तो मेडक में इंदिरा गांधी के खिलाफ एस जयपाल रेड्डी चुनाव मैदान में उतरे। श्री रेड्डी जनता पार्टी सरकार में मंत्री थे और ताकतवर नेता माने जाते थे लेकिन उनका सामना इस बार इंदिरा गांधी से हो रहा था। क्या इंदिरा को हरा कर जयपाल रेड्डी राजनारायण की याद ताजा करेंगे, यही सवाल उठ रहे थे। इधर, जनता पार्टी की किचकिच का असर भी दिख रहा था। जनता का मोह जनता पार्टी से भंग हो रहा था। चुनाव में इंदिरा गांधी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दोनों सीटों पर भारी मतों से जीत दर्ज की। पारंपरिक सीट रायबरेली में उन्होंने राजमाता सिंधिया को डेढ़ लाख से ज्यादा मतों से हराया। यह चुनाव उन्होंने कांग्रेस (आइ) के बैनर तले चुनाव लड़ा था।

मोदी फिर जीते तो देश में शायद चुनाव न हों : गहलोत

नई दिल्ली, (भाषा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लोकतंत्र एवं संविधान को खतरा होने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि अगर जनता ने मोदी को फिर से सत्ता सौंपी, तो हो सकता है कि हमारे यहां (भारत में) चुनाव न हों या फिर चीन और रूस जैसी स्थिति हो।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव जीतने के लिए प्रधानमंत्री किसी भी हद तक जा सकते हैं और वह विरोधियों को निशाना बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए गहलोत ने दावा किया कि मोदी मार्केटिंग के मास्टर हैं और अगर वह बॉलीवुड में होते तो वह अपने लटके-झटकों एवं अदाओं से देश तथा दुनिया में अलग छाप छोड़ते।

गहलोत ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, सच्चाई हमारे पक्ष में हैं और हमें विश्वास है कि सच्चाई की ही जीत होगी। यह पूछे जाने पर कि अगर कांग्रेस हार गई तो क्या सच्चाई की हार होगी, उन्होंने कहा, अगर जनता उन्हें जिता देती है..., अगर मोदी जी दोबारा जीत जाते हैं तो इस बात की गारंटी नहीं है कि देश में चुनाव होंगे या नहीं। उन्होंने कहा चुनाव होंगे भी और नहीं भी होंगे... जैसे चीन, रूस में होता है। उल्लेखनीय है कि चीन में एकल पार्टी की व्यवस्था है जबकि रूस में व्लादिमीर पुतिन लंबे समय से राष्ट्रपति के पद पर बने हुए हैं। गहलोत ने दावा किया, मोदी जी किसी भी हद तक जा सकते हैं। चुनाव जीतने से पहले भी और बाद में भी वह किसी भी हद तक जा सकते हैं। उनके दिमाग में क्या है, मुझे लगता है कि अमित शाह को भी नहीं पता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, लोकतंत्र खतरे में है, संविधान खतरे में है और देश खतरे में है। देश में केवल दो लोग... नरेंद्र मोदी और अमित शाह सरकार चला रहे हैं। कुछ महीने पहले तक कांग्रेस के संगठन महासचिव रहे गहलोत ने कहा, मोदी जी को राजीव गांधी के बाद स्पष्ट बहुमत मिला था। उनको सोचना था कि जिम्मेदारी बढ़ गई है और उन्हें जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए था। लेकिन उन्होंने मौका गवां दिया।

पहले चायवाला और अब चौकीदार, देश वाकई बदल रहा है : मायावती

लखनऊ, (भाषा)। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए मैं भी चौकीदार अभियान पर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को तंज करते हुये कहा कि पिछले चुनाव में चायवाला और अब चौकीदार..., देश वाकई बदल रहा है। बाद में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी चौकीदार मुद्दे पर सरकार की खिंचाई की। मायावती ने आज ट्वीट किया सादा जीवन उच्च विचार के विपरीत शाही अन्दाज में जीने वाले जिस व्यक्ति ने पिछले लोकसभा चुनाव के समय वोट की खातिर अपने आपको चायवाला प्रचारित किया था, वह अब इस चुनाव में वोट के लिये ही बड़े तामझाम और शान के साथ अपने आपको चौकीदार घोषित कर रहे हैं। देश वाकई बदल रहा है। उधर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा विकास पूछ रहा है कि खाद की बोरी से चोरी रोकने के लिये भी कोई चौकीदार है क्या ? दूसरे ट्वीट में अखिलेश ने कहा विकास पूछ रहा है कि जनता के बैंक खाते से चोरी छिपे जो पैसे काटे जा रहे हैं, उससे बचाने के लिये कोई चौकीदार है क्या ? तीसरे ट्वीट में उन्होंने कहा विकास पूछ रहा है कि मंत्रालय से जहाज की फाइल चोरी होने के लिये जिम्मेदार लापरवाह चौकीदार को सजा मिली क्या ?

Public Notice

My client Sh. Mohd. Tayyab S/o Hafiz Mohammad Usman R/o 9965, Gali Khalil Wali, Nawab Ganj, Azad Market, Delhi-110006 have debarred and disowned his son Mohd. Adil' Choudhary S/o Mohd. Tayyab from all his movable and immovable properties and has also severed all his relations with him due to his disobedience and out of control of my client. If any person deals with him, he will do so at his own risk, cost and consequences. My client shall not be responsible in any manner for the same.
Mahd. Jawed, Adocate, Ch. No. T-16, Tehsil Lane, Tis Hazari Courts, Delhi-110054.

Public Notice

I, Sardara Singh S/o Mohan Singh resident of BG-2, 16A, LIG Flat, Paschim Vihar, Delhi-110063 do hereby declare That I, **Sardara Singh S/o Mohan Singh** declares as under that I disowned my son Rajinder Singh from my all movable/ immovable properties/assets. Hereafter I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transaction and any illegal/legal and property purpose in future. That he debarred from entering my premises situated at **BG-2, 16A, LIG Flat, Paschim Vihar, Delhi-110063.**

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल ''मूलजन शक्ति पार्टी'' के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय म.नं. 394, गली नं.18, नियर विश्वकर्मा मन्दिर, करन विहार, करनाल, हरियाणा–132001 में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 क के अधीन राजनीतिक दल के रुप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है–पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिये गए हैं :–

अध्यक्ष : राजेश कुमार पुत्र श्री कृष्ण लाल निवासी म.नं. 172/18, वार्ड नं.10, करन विहार और पृथ्वी विहार, करनाल, तह.–करनाल, जिला–करनाल, हरियाणा

महासचिव : निशा देवी पत्नी सुभाष निवासी म. नं.5, वार्ड नं.3, मधु कालोनी, यमुना नगर, तहसील–जगाधरी, जिला यमुना नगर, हरियाणा

कोषाध्यक्ष : मिन्टू पुत्र सरवन कुमार निवासी 13, वार्ड नं.2, खारजपुर, 79–करनाल कुंज, हरियाणा

यदि किसी को ''मूलजन शक्ति पार्टी'' के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित (राजनीतिक दल) भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोका रोड, नई दिल्ली–110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनो के भीतर भेजे।

वीर अर्जुन
वर्गीकृत विज्ञापन

Change of Name

I, Alka Sharma D/o Ramesh Kumar R/o-380 Block -85, Near Gole Market D.I.Z. Area New Delhi-110001, GPO, have changed my name from Alka Anand to Alka Sharma for all purposes. **C-33230**

खोया + पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी दुकान नं. 4, सी-3, मार्किट यमुना विहार, दिल्ली-53 के सभी मूल (Original) कागजात जैसे एलाटमेंट लैटर, पजैसन लैटर, पजैसन स्लिप, डिमाण्ड लैटर, नक्शा व डीड आदि वास्तव में गुम अथवा खो गए है। यदि किसी को मिलें तो सूचित करें। आनन्द प्रकाश, सी-3/311, यमुना विहार, दिल्ली-53, फोन 9873205593.

C-19451

Before the Hon'ble Member, Motor Accident Claims Tribunal Bongaigaon, Assam
Date fixed : 18-04-2019
MAC Case No. 130/2000
Claimant: Smt. Anurupa Roy
Vs-
Opp. Parties: United India Insurance Co. Ltd. & 3 others
To
1) Sri Satish Kumar,
S/o : Unknown
R/o 3862 Prajapati Temple, Paharganj, Delhi-110005,
(Owner of the vehicle No. DL-4CE/2998)
.... the Opposite Party No.3(a)
2) Sri Sanjeev Kumar
S/o : Pritamchand
R/o 153-F, South East, New Delhi, (Driver of the vehicle No. DL-4CE/2998)
.... the Opposite Party No.4
Whereas, the Claimant has filed the above numbered proceeding against you the Opp. Parties, claiming compensation for the death of her husband in a Motor Vehicle Accident on 07.05.2000.
You are hereby directed to appear before this Tribunal either in person or through your appointed advocate on 18th day of April, 2019, at 10'0 Clock in the forenoon and to file written statement/ objection of your defence along with documents if any, in support of your defence.
Take notice that, in default of your appearance and filling of written statement/ objection on the date & time before mentioned, the case will be heard Ex-parte and shall be determined in your absence.
Given under my HAND & SEAL of this Tribunal on this the 15th day of March, 2019.
Member
MACT BONGAIGAON

In The Court of Sh. M.K. Nagpal, PO-MACT, Court No. 15, New Delhi District, Patiala House Courts, New Delhi.
Defendants
(Order 5 Rule 20 of the Code of Civil Procedure)
DAR No- D:497/16
Rajwati .....Petitioner
Vs
Bijender Singh & Ors. ......Respondent
To,
Handre Parera, S/o Sh. Lawrence Parera, R/o 127, Rajpur Khurd Extn., Chattarpur, New Delhi-110068 **....Son/LR of deceased Respondent No. 2**
Whereas you are intentionally avoiding services of summons. It is hereby notified that if you shall not defend the case on the day of **30.03.2019 at 10.00 A.M.** i.e. the day fixed in the matter, it will be heard and determined ex-parte.
Given under my hand an seal of the Court on this **6th day of March, 2019.**
Seal PO-MACT, New Delhi District Patiala House Courts, New Delhi.

In The High Court of Delhi At New Delhi
Notice Under Order V Rule 20
Code of Civil Procedure
Publication Notice
Case No. MACA 494/2017 & CM No. 53805/2018
Appeal Against order dated 28.11.2016
Passed by Ms. Ravinder Bedi, PO/MACT (East), Karkardooma Courts, Delhi.
In Suit No. MAC No. 385/2016
Swaran Lata Malhotra & Anr ......Appellants
Vs.
Mayank Arora & Ors (New India Assu. Co Ltd.) .....Respondents
Notice to/Respondent No. 2
Smt. Anita W/o Late Sh. Sushil R/o House No. 188, Guru Ram Dass Nagar, Delhi-110032.
Whereas the above noted appellant has presented an appeal Under Section **173 of MV Act** which was listed before Court on **24.04.2018** and the Court ordered issuance of notice to you and Notice of the application were also ordered to be issued to you And whereas it has been proved to the satisfaction of the Court that you cannot be served in the ordinary manner. Notice is hereby issued that if you wish to defend the above mentioned appeal & application you may cause an appearance to be entered on your behalf either in person or through an advocate duly appointed by you for the purpose before the **Joint Registrar (Judicial) on 03.04.2019 at 11:00 AM.**
If no appearance is made on your behalf, by yourself, your pleader or someone by law authorised to act for you in the said appeal & application on the aforementioned date, no further notice of the subsequent date of hearing of the said appeal & application will be given and the same will he heard and determined exparte in your absence.
Given under my hand and the seal of this Court, this the **21st December, 2018.**
Seal Assistant Registrar (Civil-IV) for Registrar General

पहचान की अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति जिसका **नाम** : मन्नु **पुत्र** : मेघनाथ, **निवासी** : नामालूम **उम्र** : 25 साल, **कद** : 5'4", **रंग** : सांवला, **कपड़े**: काले रंग का पैजामा, भूरे रंग की जैकेट व नंगे पैर है। जिसे थाना कोतवाली, दिल्ली के अधिकार क्षेत्र से राजन बाबू टीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां पर इलाज के दौरान डाक्टरों ने इसे दिनांक 01.03.2019 को मृत घोषित कर दिया। इस संदर्भ में डीडी सं. 27—ए दिनांक 01.03.2019 थाना कोतवाली, दिल्ली में दर्ज है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस मृत व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो निम्नलिखित को सूचित करने की कृपा करें:—

थानाध्यक्ष :
थाना कोतवाली, दिल्ली
उत्तरी जिला, दिल्ली
DP/9781/N/19 **दूरभाष सं. 011-23953442, 23977100**

एजपॉइन्ट इंफ्रा डेवलपर्स एल. एल. पी.

पजि. कार्यालय: गोपी राम भवन, खसरा नं. 300, सुल्तानपुर, नई दिल्ली -110030

सार्वजनिक सूचना

महानिदेशक, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, (डीजीटीसीपी), हरियाणा ने एजपॉइन्ट इंफ्रा डेवलपर्स एल.एल.पी.(कंपनी) को दिनांक 28.01.2017 के लाइसेंस नंबर 03 के तहत ग्राम गौंछी, सेक्टर-23, फरीदाबाद, हरियाणा में 5.50625 एकड़ क्षेत्र में एक अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी विकसित करने का लाइसेंस जारी किया था।

अब एजपॉइन्ट इंफ्रा डेवलपर्स एल. एल. पी. (कंपनी) ने डीजीटीसीपी से आवेदन किया है कि वह अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी के लाइसेंस को दीन दयाल जनअवास योजना, 2016 के तहत एक सस्ती प्लॉट कॉलोनी बनाने का प्रवास दिया जाए। इसके तहत डीजीटीसीपी ने ज्ञापन नंबर (LC-3861-JE(SK) -2019/6979 दिनांक: 08.03.2019) को एक LOI जारी किया है। 2017 का पूर्व लाइसेंस न. 03 की प्रतिलिपि और प्रवास लाइसेंस की LO। कंपनी की वेबसाइट www.ninex.in या डीजीटीसीपी की वेबसाइट www.tcpharyana.gov.in या कंपनी के कार्यालय एसएफ -05 नाइनेक्स सिटी मार्ट, सोहना रोड, सेक्टर-49, गुरुग्राम, -122018 या जिला नगर योजनाकार, हुडा परिसर, सेक्टर -12, फरीदाबाद के कार्यालय में देखी जा सकती है।

LOI की शर्त के तहत इस सार्वजनिक सूचना के अंतर्गत इस अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी में किसी तीसरे पक्ष के धारक को, उपयुक्त लाइसेंस के प्रवास में कोई आपत्ति है तो वो अपनी शिकायत 15 दिनों के भीतर जिला नगर योजनाकार, हुडा परिसर, सेक्टर -12, फरीदाबाद के कार्यालय में दर्ज करा सकता हैं। उसके पश्चात यह माना जाएगा कि उपयुक्त लाइसेंस के प्रस्तावित प्रवास में किसी को कोई आपत्ति नहीं है।

कृते एजपॉइन्ट इंफ्रा डेवलपर्स एल. एल. पी.
हस्ता / -
स्थान: फरीदाबाद (हरियाणा) **राम मेहर गर्ग**
दिनांक: 20.03.2019 **अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता**

REQUEST FOR PROPOSAL FOR REPAIR AND RENOVATION OF BLOCKS NO P8 AND P-9 AT MANEKSHAW CENTRE DELHI CANTONMENT

Name of Work	Request for proposal for repair and renovation of Blocks P8 & P9 at Manekshaw Centre, Delhi Cantt
Time allowed for Completion of work	120 Days
Date and Time of Pre-bid Meeting	At 11.00 AM on 02 April 2019 at Manekshaw Centre New Delhi
Estimated Cost	Rs. 217.07 Lakhs (Approx)
EMD	RS. 6.50 lakhs
Validity of Bid	120 days
Tender Cost	Rs. 500/-
Collection of Tender	From office of Colonel, Manekshaw Centre, Delhi Cantt from 25 March 2019 to 15 Apr. 19,
Address and Venue of Submission of bids	16 Apr 2019 at Manekshaw Centre, Delhi Cantt Cantonment The bids have to be submittied by 11.00 AM on
Eligibility Criteria	1. Bidder(s) who wish to participate should qualify the Following eligibility parameters for quoting the rates. (a) Should have past experience of following Completed works in last Five years (valid & certified proof has to be attached):- (i) Two works costing not less than Rs. 1.50 Crores. Or (ii) One work costing not less than Rs. 2.50 Crores. (b) The bidder's average annual turnover for last two Consecutive years shall not be less than Rs. 300.00 Lakhs (valid and certified proof has to be attached). (c) Contractor should have minimum three years of experience of appropriate class of civil and electrical work in the Departments/Ministries of the Goverment of India/PSUs (Copies of minimum two Contracts received from Govt. Depts./ PSUs during each of the last three years should be enclosed)or Contractor should be registred in appropriate class of MES/CPWD State PWDs/Public Undertaking/Railways/Govt. Sector Organisation (Certified valid on date should be attached) while submitting the tender documents). (D)The bidder should be solvent upto Rs.100.00 lakhs or should be financially sound for engagement up to Rs, 3.00 Crore (e)The bidder should have working capital not less than Rs. 12.00 lakhs. (f) The bidder should have Minimum reserve/total movable or immovable property or fixed assets (In case or companies) (80% of minimum assets/reserve shall be in shape of immovable property) of Rs. 60.00 lakhs. (g) The bidder should have following in its establishment:- (i) One graduate Engineer from a goverment recognised institution with minimum experience of four years. and (ii) One Diploma Engineer from a Goverment recognised institution with minimum experience of five years (h) Contractor must have valid GST registration certificate/PAN From the concerned authority. Shall submit copy of PAN card

भाजपा जिलाध्यक्ष की साजिश से जदयू को मिली गया सीट : हरि मांझी

गया (वार्ता)। बिहार की गया (सुरक्षित) सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निवर्तमान सांसद हरि मांझी ने पार्टी जिलाध्यक्ष पर साजिश करने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि उनके षड्यंत्र के कारण ही भाजपा की यह परंपरागत सीट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के खाते में चली गयी। श्री मांझी ने यहां कहा कि पार्टी के गया जिले के अध्यक्ष धनराज शर्मा ने एक साजिश के तहत पार्टी की प्रदेश एवं केंद्रीय समिति को भ्रमित कर भाजपा की परंपरागत गया सीट को जदयू की झोली में डालने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष लगातार पार्टी विरोधी कार्य कर रहे हैं। उनके आस-पास रहने वाले लोग या तो डीलर हैं, सरपंच हैं या फिर गैस एजेंसी के मालिक है। ऐसे लोगों को ही उन्होंने पार्टी में पाल रखा है और इन्हीं लोगों को प्रदेश एवं केंद्रीय कमेटी के पास ले जाकर तरह-तरह का बयान दिलवाकर भाजपा की सीट पर जदयू का कब्जा कराया गया है ताकि उनका पत्ता साफ हो सके। सांसद ने जिलाध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि श्री शर्मा के पास पहले एक भी वाहन नहीं था लेकिन यह पार्टी विरोधी गतिविधियों का ही परिणाम है कि आज उनके पास स्कार्पियो जैसी एसयूवी है। उन्होंने कहा कि इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए तब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। श्री मांझी ने कहा कि गया भाजपा की परंपरागत सीट है और यहां से वह लगातार दो बार सांसद रहे हैं।

अपनी पार्टी से अपने बलबूते चुनाव लडेंगे : पप्पू

पटना, (भाषा)। बिहार के मधेपुरा से सांसद और जनअधिकार पार्टी :जैप: के संरक्षक पप्पू यादव ने मंगलवार को कहा कि महागठबंधन के घटक दलों के अपने दल में जैप के मर्जर की शर्त रखे जाने पर वह अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न पर अपने बलबूते चुनाव लडेंगे। महागठबंधन में शामिल लोकतांत्रिक जनता दल के संरक्षक शरद यादव को महागठबंधन की ओर से मधेपुरा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा के बीच पप्पू ने मंगलवार को कहा कि मेरी सीटिंग सीट के साथ ऐसा क्यों किया जा रहा है, मुझे भी पता नहीं चल रहा। पप्पू ने पिछले लोकसभा चुनाव में जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद यादव को लालू प्रसाद की पार्टी राजद के उम्मीदवार के तौर पर मधेपुरा लोकसभा सीट से हराया था। पप्पू को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए 2015 में राजद से निष्कासित कर दिया गया था जिसके बाद उन्होंने जैप का गठन किया था। पप्पू से यह पूछे जाने पर कि उनकी महागठबंधन से कितनी सीट की मांग है, उन्होंने कहा कि उनकी कोई मांग नहीं है। आज देश की चरमरायी आर्थिक स्थिति, महिला सुरक्षा, बेरोजगारी और किसानों की समस्या सहित अन्य जो ज्वलंत मुद्दे हैं, उसका सवाल है।